भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 02 | अंक - 32 | बिजौलिया - शुक्रवार,11 सितम्बर,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

आगरा में एयरफोर्स जवान का शव दो टुकड़ों में मिला

भीलवाड़ा फोकस @ आगरा।

अछनेरा रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार सुबह रेलवे ट्रैक पर 35 वर्षीय एयरफोर्स जवान नैनाराम का शव मिला। यात्रियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जवान राजस्थान के नागौर जिले के खींवसर के रहने वाले थे और पत्नी व दो बच्चों के साथ हावड़ा एक्सप्रेस से प्रयागराज जा रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, जवान के मोबाइल पर पत्नी के लगातार फोन आ रहे थे। पुलिस ने फोन उठाकर उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचने को कहा, जहां उन्हें पति की मौत की जानकारी मिली। जीआरपी ने शुरुआती जांच में आत्महत्या की आशंका जताई है और मामले की जांच की जा रही है।

देवनारायण मंदिर में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

चेचीखेड़ा गांव के देवनारायण मंदिर में हुई चोरी का रायला थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए किशन रंगा स्वामी (27) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पंखा, पीतल का त्रिशूल, नाग, चार घंटे और करीब 100 मीटर तांबे का तार बरामद किया। वारदात में इस्तेमाल बाइक भी जब्त की गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया है।

राजस्थान में आज दूसरे चरण की वोटिंग, 87.60 लाख से ज्यादा मतदाता करेंगे मतदान

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

राजस्थान के 147 नगरीय निकायों में आज शुक्रवार को दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। इस चरण में 87.60 लाख से अधिक मतदाता 18,266 उम्मीदवारों में से अपने पार्षद चुनेंगे। जयपुर नगर निगम में सबसे ज्यादा 723 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि धोरीमन्ना नगरपालिका में सबसे कम 41 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। प्रदेश के 309 नगरीय निकायों के कुल 4,744 वार्डों में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है, हालांकि कई जगह निर्दलीय और अन्य दलों के प्रत्याशी भी मुकाबले को त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय बना रहे हैं।

मतदान दल बूथों पर पहुंचे

आज होने वाले मतदान के लिए गुरुवार को सभी जिलों से मतदान दलों को उनके केंद्रों के लिए रवाना किया गया। इससे पहले कर्मचारियों को ईवीएम संचालन, मतदान प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था का प्रशिक्षण दिया गया। सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक चुनाव सामग्री और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश

मतदान को देखते हुए राज्य सरकार ने आज 11 सितंबर को सवैतनिक अवकाश घोषित किया है। सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को मतदान के लिए अवकाश देना अनिवार्य होगा। यदि किसी कर्मचारी का मतदान केंद्र दूसरे शहर में है तो वह वोट डालने के लिए वहां जा सकता है। ऐसे मामले में भी नियमानुसार वेतन में कटौती नहीं की जा सकेगी।

पहले मतदाता सूची में नाम जांच लें

मतदान के लिए निकलने से पहले मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जरूर जांच लें। राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर मतदाता सूची में नाम और मतदान से जुड़ी जानकारी देखी जा सकती है। मतदाता सूची में नाम होने पर ही मतदान किया जा सकेगा।

वोटर कार्ड नहीं है तो भी कर सकेंगे मतदान

यदि किसी मतदाता के पास मतदाता पहचान पत्र नहीं है, तो निर्धारित 11 पहचान दस्तावेजों में से किसी एक के जरिए मतदान किया जा सकता है। मतदान केंद्र पर जाने से पहले अपना पहचान दस्तावेज साथ रखना जरूरी है। साथ ही मतदाता अपने मतदान केंद्र का स्थान पहले ही पता कर लें। इसके लिए क्षेत्र के बीएलओ से भी जानकारी ली जा सकती है।

मंड्रेला में सिर्फ 92 मतदाता

झुंझुनूं की मंड्रेला नगरपालिका का वार्ड नंबर 13 भी चर्चा में है। इस वार्ड में केवल 92 मतदाता हैं। यह वार्ड किसी वर्ग के लिए आरक्षित नहीं है। छोटे वार्डों से लेकर बड़े नगर निकायों तक आज मतदाता अपने प्रतिनिधि चुनेंगे।

आज मतदान के साथ दूसरे चरण के प्रत्याशियों का चुनावी भविष्य भी मतपेटियों में बंद हो जाएगा। दोनों चरणों की मतगणना 14 सितंबर को होगी। इसके बाद ही तय होगा कि किस दल और प्रत्याशी को जनता का समर्थन मिला।

उदयपुर में नर्सिंग ऑफिसर से मारपीट, इलाज में लापरवाही का लगाया आरोप

भीलवाड़ा फोकस @ उदयपुर।

ऋषभदेव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार रात इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर नर्सिंग स्टाफ से मारपीट का मामला सामने आया। आरोप है कि घायलों के साथ आए तीन युवकों ने नर्सिंगकर्मियों से मारपीट की। इसी दौरान घटना की जानकारी मिलने पर एक घायल भी अस्पताल पहुंचा और विवाद में शामिल हो गया। पूरी घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

नर्सिंग ऑफिसर पुष्पेंद्र डामोर ने ऋषभदेव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि घायलों के साथ आए लोगों ने उनके और साथी नर्सिंगकर्मी के साथ मारपीट की, जिसमें उन्हें चेहरे पर चोट आई। पुलिस के अनुसार, मामले में दिनेश मीणा (40), आशीष मीणा (27), दिलीप मीणा (27) और राकेश मीणा (30) को हिरासत में लिया गया है। सभी ऋषभदेव क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जेल में पूर्व विधायक के पास मोबाइल मिला, कंबल में छिपाकर रखा था

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

जयपुर सेंट्रल जेल में बंद बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव के पास तलाशी के दौरान मोबाइल फोन मिला है। जेल प्रशासन के अनुसार, यादव ने मोबाइल को जमीन पर बिछाए कंबल के अंदर छिपा रखा था। बुधवार दोपहर जेल के वार्ड नंबर-5 में तलाशी के दौरान यह मोबाइल बरामद हुआ।

जेल प्रहरी विष्णु ने मामले में लालकोठी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और मोबाइल पुलिस को सौंप दिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पूर्व विधायक तक मोबाइल कैसे पहुंचा। साथ ही जेल में रहते हुए उन्होंने किन लोगों से संपर्क किया, इसकी जानकारी के लिए मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाली जाएगी।

जयपुर सेंट्रल जेल में लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इससे पहले भी जेल प्रशासन ने 13 मोबाइल बरामद कर आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए थे। गुरुवार को भी तलाशी के दौरान 8 बंदियों के पास से मोबाइल मिलने की जानकारी सामने आई है। पूर्व विधायक बलजीत यादव विधायक कोष की राशि के कथित दुरुपयोग और गबन के मामले में जेल में बंद हैं। आरोप है कि बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के 32 सरकारी स्कूलों के लिए बैडमिंटन और क्रिकेट किट की खरीद में करीब 3.72 करोड़ रु. का घोटाला किया गया। खेल सामग्री निर्धारित कीमत से अधिक दरों पर खरीदने और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल के आरोप भी मामले में लगाए गए हैं।

दूसरे चरण के मतदान के लिए टीमें रवाना, 9 निकायों में आज वोटिंग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

नगर पालिका चुनाव के दूसरे चरण का मतदान आज शुक्रवार 11 सितंबर को होगा। जिले की 9 नगर पालिकाओं के 230 वार्डों में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान को लेकर गुरुवार को सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं और मतदान दल आवश्यक सामग्री के साथ अपने-अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए।

दूसरे चरण में आसींद, बनेड़ा, बिजौलिया, गंगापुर, गुलाबपुरा, हमीरगढ़, जहाजपुर, मांडलगढ़ और शाहपुरा नगर पालिकाओं में मतदान होगा। इनमें आसींद और बिजौलिया में 25-25, बनेड़ा में 20, गंगापुर में 25, गुलाबपुरा में 35, हमीरगढ़ में 20, जहाजपुर में 25, मांडलगढ़ में 20 और शाहपुरा में 35 वार्ड शामिल हैं।

गुरुवार को संबंधित प्रशिक्षण केंद्रों पर मतदान दलों, आरक्षित दलों और सेक्टर मजिस्ट्रेट को अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों को ईवीएम संचालन, मतदान प्रक्रिया, आवश्यक प्रपत्रों और चुनाव आचार संहिता की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद मतदान सामग्री और वाहन उपलब्ध कराए गए, जिसके बाद दल अपने-अपने केंद्रों के लिए रवाना हुए।

चुनाव पर्यवेक्षक अरविंद सारस्वत ने शाहपुरा में आयोजित प्रशिक्षण का निरीक्षण कर मतदान दलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

लम्पी रोग को लेकर सरकार सतर्क, 87% से ज्यादा पशुओं का टीकाकरण

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज के मामलों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्चस्तरीय बैठक लेकर स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की तैयारियों के चलते प्रदेश में लम्पी रोग की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। उन्होंने पशुपालकों से सावधानी और सतर्कता बरतने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि पशुपालकों को रोग के लक्षण, बचाव और उपचार की सही जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि पशुपालक घबराएं नहीं और पशुओं में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय पर आवश्यक कदम उठाएं।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में अब तक 10 हजार 403 पशु लम्पी रोग से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से 6 हजार 905 पशु स्वस्थ हो चुके हैं और रिकवरी का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। प्रदेशभर में 87 प्रतिशत से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान तेज करने, दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता रखने और संक्रमित पशुओं को गोशालाओं सहित अन्य स्थानों पर अलग रखने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार निगरानी करने तथा विभागीय स्तर पर नियमित समीक्षा के लिए कहा।

अधिकारियों के अनुसार, बीमारी की रोकथाम के लिए राज्य और जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित किए गए हैं। पशुपालकों को साइपरमेथ्रिन और सोडियम हाइपोक्लोराइट भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लम्पी रोग को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क है और प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बैठक में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत सहित मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राधे कृष्णा हर्बल
मोरिंगा पाउडर एवं कैप्सूल
30, माणक नगरी बून्दी रोड़ बिजोलिया MO.8426904895

'भीलवाड़ा फोकस'
अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।
Mo.– 8696795959
Bhilwarafocus@gmail.com
BHILWARA Focus
भीलवाड़ा की बात,फोकस के साथ

जहरीले जीव के काटने से युवक की मौत

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।

थाना क्षेत्र के शेरपुरा गांव में बुधवार शाम खेत पर चावल की फसल में पानी पिलाते समय जहरीले जीव के काटने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक के भाई सोजीराम मीणा ने शक्करगढ़ थाने में रिपोर्ट देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

रिपोर्ट के अनुसार, शेरपुरा निवासी सोदान पिता भिवड़ा मीणा बुधवार शाम करीब 4 बजे खेत पर चावल की फसल में पानी पिला रहा था। इसी दौरान उसके बाएं हाथ की अंगुली पर जहरीले जीव ने काट लिया। उसकी चीख सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए शक्करगढ़ अस्पताल लेकर गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

थाना प्रभारी पूरणमल मीणा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है।

चिकित्सक ने बचाव और प्राथमिक उपचार की दी सलाह।

शक्करगढ़ चिकित्सा प्रभारी युवराज सिंह चौधरी ने बताया कि खेतों में काम करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। घास-फूस, लकड़ी, पत्थर या अंधेरे स्थानों में हाथ डालने से पहले डंडे से जांच करें और खेतों में काम करते समय जूते, मोजे व दस्ताने का उपयोग करें। घर के आसपास कचरा, लकड़ी और झाड़ियां जमा नहीं होने दें।

उन्होंने बताया कि जहरीले जीव के काटने पर घबराएं नहीं, मरीज को शांत रखें और काटे गए अंग को कम से कम हिलाएं। काटे हुए स्थान पर चीरा लगाना, जहर चूसना, कसकर पट्टी बांधना या घरेलू नुस्खे आजमाना नहीं चाहिए। मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी अस्पताल पहुंचाना चाहिए, ताकि समय पर आवश्यक उपचार मिल सके ।

ब्रेजा की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

भीलवाड़ा फोकस @ राशमी।

डिण्डोली-मातृकुण्डिया मार्ग पर तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। दोनों के पैरों में फ्रैक्चर हुआ है। घायलों का भीलवाड़ा के बांगड़ अस्पताल में उपचार कराया गया।

जानकारी के अनुसार, आरणी निवासी मदनलाल सालवी (37) और बघेरा निवासी पीरूलाल सालवी (31) 2 सितंबर को सुबह करीब 9 बजे बाइक से कपासन से आरणी जा रहे थे। नयाखेड़ा गणेशपुरा के पास सामने से आ रही ब्रेजा कार के चालक ने तेज गति और लापरवाही से बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों युवक बाइक समेत सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरे। हादसे में मदनलाल का दायां पैर फ्रैक्चर होने के साथ हाथ और मुंह पर चोट आई। वहीं पीरूलाल के दाएं पैर में फ्रैक्चर और सीने में गंभीर चोट लगी। राहगीरों ने दोनों को राशमी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया।

मदनलाल के पैर का ऑपरेशन होने के बाद 6 सितंबर को अस्पताल से छुट्टी मिल गई, जबकि पीरूलाल का उपचार जारी है। पैर में अधिक दर्द के कारण पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने में देरी हुई। मदनलाल ने गुरुवार को राशमी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नशे की गंभीर चुनौती से निपटने नशा मुक्त भारत अभियान बनाने को लेकर हम सभी को संकल्प लेना होगा - एसपी धर्मेंद्र सिंह

- नारकोटिक्स एनॉनिमस का नशामुक्ति सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

भीलवाड़ा फोकस @ चित्तौड़गढ़।

नारकोटिक्स एनॉनिमस (एनए) का नशामुक्ति सम्मेलन का शुभारंभ स्थानीय केसर बाग रिसोर्ट में आयोजित हुआ। संस्थान के चेयरपर्सन सोमवीर राठी ने बताया कि इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ के जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव मुख्य अतिथि रहे। गफ्फार पठान व ऐडवोकेट सुरेंद्र पाल सिंह ने परंपरागत तरीके से मुख्य अतिथि का सम्मान किया। इस अवसर पुलिस अधीक्षक यादव ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को बर्बाद नहीं करता, वो एक परिवार को तोड़ता है। एक पीढ़ी को गुमराह करता है । अंततः एक राष्ट्र की नींव को कमजोर कर देता है। यह हमारे युवाओं के सपनों का हत्यारा है, हमारी संस्कृति का दुश्मन है। इसी गंभीर चुनौती से निपटने के सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान बनाने हेतु हम सभी को संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि नशे की लत की समस्या आज हमारे समाज के लिए गहरी चिंता का विषय है। पिछले कुछ वर्षों में यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है और दुख की बात यह है कि इसका सबसे अधिक शिकार युवा पीढ़ी हो रही है। जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह एक अच्छी ख़बर भी है नारकोटिक्स एनॉनिमस (एनए) की मीटिंग्स के माध्यम से नशे की लत से उबरना अब संभव है, और एनए द्वारा किए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान बनाने की सराहना की। चेयरपर्सन सोमवार राठी ने बताया कि नारकोटिक्स एनॉनिमस (एनए) उन स्त्री-पुरुषों की एक फ़ेलोशिप है जो नियमित रूप से मिलते हैं ताकि एक-दूसरे को नशामुक्त रहने और नशारहित जीवन जीने में मदद कर सकें। ये स्वयं-सहायता समूह लगभग 70 वर्ष पहले शुरू हुए थे। आज एनए का विस्तार हो चुका है और 145 देशों में 77,000 से अधिक मीटिंग्स आयोजित होती हैं। भारत में भी पिछले 30 से अधिक वर्षों से मीटिंग्स का नेटवर्क - प्रत्यक्ष रूप से और अब ऑनलाइन भी निरंतर बढ़ रहा है। ये मीटिंग्स पूरी तरह निःशुल्क हैं और आयु, लिंग या सामाजिक-आर्थिक स्थिति के भेदभाव के बिना सभी के लिए खुली हैं। एनए की प्रस्तावना के अनुसार, एनए मीटिंग में शामिल होने की एकमात्र शर्त है- नशा छोड़ने की इच्छा। जानकारी में बताया कि पहले दिन सभी रहने के सदस्यों ने अपने-अपने अनुभव और विचार व्यक्त किये और नशा मुक्ति जीवन जीने के तरीके बताएं।

भवानीपुरा-बड़लियास मार्ग से अतिक्रमण हटाने की मांग, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ बड़लियास।

बड़लियास उपतहसील कार्यालय में गुरुवार को भवानीपुरा ग्रामवासियों ने ज्ञापन सौंपकर बड़लियास से भवानीपुरा मार्ग पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण होने से सड़क की चौड़ाई प्रभावित हो रही है। वर्तमान में इस मार्ग पर नया प्रोग्राम सड़क निर्माण कार्य भी प्रस्तावित/जारी है। ग्रामीणों ने मांग की कि सड़क निर्माण से पहले रास्ते की भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाया जाए, ताकि सड़क की लंबाई के साथ निर्धारित चौड़ाई भी समान रूप से बनी रहे और आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाने की मांग की, जिससे नए सड़क निर्माण का कार्य व्यवस्थित एवं निर्धारित मापदंड के अनुसार पूरा हो सके।इस दौरान पूर्व पंचायत समिति सदस्य दिलीप सिंह , कालू नाथ, ओम नाथ, अमरचंद रेगर, अशोक रेगर, बबलू , राहुल खटीक, शिवनाथ, भगवान नाथ, सहित कहीं ग्रामीण उपस्थित थे

हम किसी को अमृत नहीं दे सकते तो जहर देने के अधिकारी भी नहीं-आचार्य रामदयालजी महाराज

जिसके मन में राम के प्रति विश्वास फिर सब कुछ होगा उसके पास , माणिक्यनगर रामद्वारा धाम में दैनिक चातुर्मासिक सत्संग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

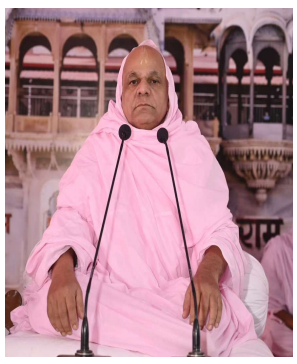

आजादी के नाम पर स्वच्छन्द बनकर मर्यादाओं ओर संस्कृति की धज्जियां नहीं उड़ाई जानी चाहिए। अहंकार में आकर जो मर्यादाओं का ध्यान नहीं रखते उन्हें बाद में पछताना ही पड़ता है। भगवान वाणी दी है तो हमारी भाषा ऐसी होनी चाहिए जो सबको प्रिय लगे। याद रखे शब्द कभी मरते नहीं इसलिए हजारों वर्ष बाद भी भगवान की वाणी गूंज रही है। अप्रिय शब्द बोलने की बजाय जुबान से भगवान का नाम ले, भजन करें सत्संग करे। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरू आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज ने ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत गुरूवार को दैनिक सत्संग में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमेशा कोई भी शब्द सोच समझकर बोले एवं शब्द उपासक बने। आप अच्छा सुनना चाहते है तो अच्छा बोलना भी पड़ेगा। हम किसी को अमृत नहीं दे सकते तो जहर देने का अधिकार भी नहीं रखते। अहंकार में आकर हम कुछ भी कर ले पर परमात्मा क्षमा नहीं करता।

आचार्यश्री ने कहा कि कभी भी शास्त्रों की गलत व्याख्या नहीं करे ओर अवांछित बात नहीं बोले। आपकी वाणी से ही आपके खानदान, संस्कार व गुणों का पता लगता है। मीठा बोलने से जीवन सुंदर बनेगा ओर कड़वा व खराब बोलने से बदले की भावना जागृत होगी। जुबान से राम नाम जपने से जीवन का कल्याण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कभी अज्ञान के कारण इतराना नहीं चाहिए। हमे शक्ति परमात्मा ने किसी को दुःख देने के लिए नहीं बल्कि सुख पहुंचाने के लिए दी है। अपनी ध्वनि अच्छी रखों ताकि प्रतिध्वनि भी अच्छी रहे।

आचार्य रामदयाल महाराज ने कहा कि जीवन में कभी भी परमात्मा की आंखों में धूल झोंकने का पाप नहीं करे। भगवान हमे सब कुछ देता है फिर भी हम कहते है हमारे पास कुछ नहीं है तो वास्तव में कुछ नहीं रह जाएगा। हमे बोलना चाहिए कि राम गुरू की कृपा है ओर सब आनंद है तो फिर आनंद ही रहेगा। जो प्राप्त है उसे पर्याप्त माने। जिसके मन में राम के प्रति विश्वास है फिर सब कुछ उसके पास है। जो दुनिया के सारे नियम मानता लेकिन आत्म धर्म की पालना,राम के प्रति प्रेम व भजन का नियम नहीं है उसके बाकी सब नियम व्यर्थ है। जिन्होंने राम नाम हृदय में धारण कर लिया ओर उसके प्रति दृढ़ श्रद्धा रखता है वह सबसे बड़ा पुण्यवान बलवान व गुणवान होकर सौभाग्यशाली होता है।

आचार्यश्री से पूर्व अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रखर वक्ता संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस प्रवचन दिया। प्रवचन के विश्राम पर श्रद्धालुओं द्वारा आचार्यश्री रामदयालजी महाराज की आरती की गई। सत्संग में भीलवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। सूर्यास्त के समय संध्या आरती एवं रामस्नेही सम्प्रदाय के युवा संत रामजस ईडर द्वारा भक्तमाल की कथा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है।

श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह में होगा 108 मूल भागवत का पाठ

आचार्य रामदयालजी महाराज के सानिध्य में रामद्वारा में ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत विश्व शांति एवं कल्याण की भावना से 13 से 20 सितम्बर तक विराट श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह का आयोजन होगा। इसमें भागवत भक्ति, भक्त व भगवान पर चर्चा एवं जीवन दर्शन पर प्रवचन होंगे। इस दौरान 108 भागवत मूल पाठ का एतिहासिक आयोजन भी होगा। पुष्कर से आने वाले 108 वेद पाठी विद्धान पंडित भागवत का मूल पाठ करेंगे। इन 108 भागवत का पूजन 108 यजमान परिवार करेंगे। इस सप्ताह में प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10.30 बजे तक एवं दोपहर 2 से 4 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा एवं सुबह 10.30 बजे से 11.30 बजे तक एवं शाम को 4 से 5 बजे तक श्रीवाणीजी का प्रवचन होगा। वाणीजी का प्रवचन आचार्य श्री रामदयालजी महाराज के मुखारबिंद से होगा। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन संत मनोरथराम रामजी राम मचलाना द्वारा किया जाएगा। इस आयोजन में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु भीलवाड़ा आएंगे।

गोवा में राजस्थान का शानदार प्रदर्शन, ऑल इंडिया टेनिस बॉल क्रिकेट में बालक वर्ग ने जीता तीसरा स्थान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

गोवा के मडगांव में आयोजित ऑल इंडिया टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में राजस्थान की बालक वर्ग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। राजस्थान टेनिस बॉल संघ के कोषाध्यक्ष महेश पुरी ने बताया कि राजस्थान टीम की कप्तानी सूरज प्रसाद ने की। टीम की सफलता में जय खटिक, हिमांशु खटीक, दीपेश कुमार, प्रियांशु कुमार, सिद्धार्थ और राजवीर सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में टीम के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए राजस्थान को तीसरे स्थान तक पहुंचाया।

टीम के साथ रहे भीलवाड़ा संघ के सचिव मोहम्मद इस्माइल और टीम मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा सहित दिनेश कुमार, प्रेम, सुशील, नरेंद्र शर्मा, गोविन्द पाठक, इकबाल, मनीष, नारायण भदाला, श्याम और मनहोर सुथार ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

QUICK BITES

अंतिम विदाई के साथ दो आंखों को मिलेगी नई रोशनी, रांका परिवार ने दिया नेत्रदान का संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मृत्यु के बाद भी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए स्वर्गीय श्रीमती अनूप देवी धर्मपत्नी अमोलकचंदजी रांका (अजमेर वाले) के निधन के बाद रांका परिवार ने मरणोपरांत नेत्रदान का निर्णय लिया। परिवार की सहमति से कॉर्निया उत्सर्जन की प्रक्रिया पूरी की गई। इससे दो दृष्टिहीन लोगों को दृष्टि मिलने की राह खुलेगी। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, भीलवाड़ा चैप्टर के अध्यक्ष राकेश पगारिया ने बताया कि नेत्रदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो जरूरतमंद लोगों को दृष्टि मिल सकती है। रांका परिवार का निर्णय इसी संदेश को मजबूत करता है। स्वर्गीय अनूप देवी के पुत्री-दामाद सीमा एवं हेमंत मेहता तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने नेत्रदान की सहमति दी।

लायंस क्लब आई बैंक के अध्यक्ष लायन ललित सांखला ने बताया कि डॉ. प्रतिष्ठा छिपा एवं नेत्र सहायक चेतन भट्ट के निर्देशन में गांधी नगर स्थित रांका परिवार के निवास पर कॉर्निया उत्सर्जन किया गया। इस कार्य में हेमंत मेहता, पारस ढाबरिया, मुकेश रांका और अनिल सोनी का सहयोग रहा।

जिले में अवैध रूप से एपीएल से अन्त्योदय अन्न योजना में परिवर्तित 546 राशनकार्ड चिन्हित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान, जयपुर से जिले के 546 ऐसे राशनकार्डों की सूची प्राप्त हुई है, जिनकी श्रेणी अवैध रूप से एपीएल से अन्त्योदय अन्न योजना में परिवर्तित की गई है। प्राप्त सूची के अनुसार, संबंधित राशनकार्ड धारकों द्वारा प्रति यूनिट 05 किलोग्राम गेहूं के स्थान पर 35 किलोग्राम गेहूं का लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से राशनकार्ड की श्रेणी में यह अवैधानिक परिवर्तन करवाया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा सूची में शामिल सभी 546 राशनकार्ड धारकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। साथ ही, संबंधित राशनकार्डों की श्रेणी को पुनः परिवर्तित करते हुए खाद्य विभाग के निर्देशानुसार नियमानुसार खाद्यान्न की वसूली की कार्यवाही भी की जाएगी। जिला रसद अधिकारी विजेंद्र पाल ने बताया कि राशनकार्ड की श्रेणी को अवैध रूप से परिवर्तित करने में सहयोग करने वाले ई-मित्र संचालकों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को भी सूचना प्रेषित की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, राशनकार्डों को अंतिम रूप से स्वीकार करने वाले प्राधिकृत अधिकारियों, यथा जिला रसद अधिकारी/विकास अधिकारी/अधिशाषी अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु संबंधित विभागों को भी लिखा जा रहा है।

87 साल की हो गयी शाहपुरा नगरपालिका

110 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला... अब किसके हाथ सत्ता की चाबी?

1939 में राजाधिराज उम्मेद सिंह द्वितीय ने रखी थी स्थानीय लोकतंत्र की नींव, कांग्रेस के वर्चस्व से भाजपा की दस्तक तक बदली राजनीति; 11 सितंबर शुक्रवार को 110 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला, अध्यक्ष की कुर्सी के लिए बनेगा नया समीकरण

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

शाहपुरा नगर पालिका चुनाव को लेकर 11 सितंबर को होने वाला मतदान सिर्फ 35 वार्डों में पार्षद चुनने का चुनाव नहीं है। यह शाहपुरा की 87 साल पुरानी नगर राजनीति की अगली कड़ी भी है। 1939 में 13 सदस्यों से शुरू हुआ नगर पालिका का सफर आज 35 वार्ड और 110 प्रत्याशियों तक पहुंच गया है। इस बार भाजपा और कांग्रेस ने सभी 35-35 वार्डों में प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि 40 निर्दलीय भी मैदान में हैं। ऐसे में मुकाबला दिलचस्प है। क्योंकि जनता पहले पार्षद चुनेगी और इसके बाद निर्वाचित पार्षदों में से अध्यक्ष चुना जाएगा। लिहाजा वार्डों में जीत के साथ-साथ अध्यक्ष पद का सियासी गणित भी इस चुनाव का सबसे बड़ा केंद्र रहेगा।

शाहपुरा की नगरपालिका का इतिहास बताता है कि यहां स्थानीय शासन की परंपरा आजादी से पहले ही शुरू हो गई थी। तत्कालीन राजाधिराज उम्मेद सिंह द्वितीय ने शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और दोहरी प्रशासनिक व्यवस्था को देखते हुए फरवरी 1939 में 13 सदस्यीय म्यूनिसिपल बोर्ड की स्थापना की थी। खास बात यह थी कि जनता को अपने-अपने वार्ड से प्रतिनिधि चुनकर बोर्ड में भेजने का अधिकार दिया गया। उस समय मेवाड़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और किशनगढ़ जैसी रियासतों में भी ऐसी व्यवस्था नहीं थी।

राजाधिराज की सोच थी- नगरपालिका लोकतंत्र की पहली पाठशाला-

उस समय सफाई व्यवस्था हेल्थ ऑफिसर के अधीन थी और दफा 34 से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका थी। अलग-अलग व्यवस्थाओं के कारण शहर की सफाई और प्रशासन प्रभावित हो रहा था। सड़कों पर गंदगी रहती थी और सफाई कर्मचारियों की संख्या भी कम थी। इसे देखते हुए राजाधिराज ने स्थानीय लोगों की भागीदारी वाली व्यवस्था खड़ी की। उनकी सोच थी कि नगरपालिका ऐसी प्रारंभिक संस्था है, जो नागरिकों को शासन में भागीदारी और शासन का भार अपने कंधों पर उठाने की शिक्षा देती है। पहले बोर्ड में छह सदस्य जनता ने चुने, जबकि सात सदस्यों को राजाधिराज ने मनोनीत किया। इनमें पांच राज्य कर्मचारी और दो किसान थे। कुशल सिंह चौधरी सर्वसम्मति से नगरपालिका के पहले अध्यक्ष चुने गए।

1944 में दूसरा चुनाव, 44 स्ट्रीट लाइट और 22 सफाई कर्मचारी थे--

1 अक्टूबर 1944 को नगरपालिका का दूसरा चुनाव हुआ। इसमें मनोहर सिंह अध्यक्ष चुने गए। जनता द्वारा चुने गए सदस्यों में सदाशंकर शर्मा, भंवरलाल न्याती, मांगीलाल तोशनीवाल, चिरंजीलाल शर्मा, गोविंदराम और छितर पटेल शामिल थे। पं. सदाशंकर को सचिव की जिम्मेदारी दी गई। उस समय नगरपालिका की कार्यप्रणाली भले ही सीमित संसाधनों में चलती थी, लेकिन कामकाज का रिकॉर्ड उल्लेखनीय था। बोर्ड की 16 बैठकें हुईं और 305 में से 290 मामलों का निस्तारण किया गया। नगरपालिका का सालाना खर्च 3462 रुपए 11 आने 6 पैसे था। कस्बे में 44 स्ट्रीट लाइट और 22 सफाई कर्मचारी थे। आज शहर का आकार, आबादी और

जरूरतें कई गुना बढ़ चुकी हैं। इसी के साथ नगरपालिका की जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं।

आजादी के बाद स्वतंत्रता सेनानी भी बने पालिका अध्यक्ष-

1948 में कुशल सिंह चौधरी फिर अध्यक्ष बने और 1951 तक रहे। इसके बाद 1951 से 1956 तक रघुनाथ सिंह चौरसिया अध्यक्ष रहे। वर्ष 1956 से 1961 तक स्वतंत्रता सेनानी पंडित लादूराम व्यास ने नगरपालिका की कमान संभाली। यही वह दौर था जब शाहपुरा का नाम राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों से भी जुड़ा।

8 मार्च 1959 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू शाहपुरा हवाई अड्डे पर उतरे थे। वे भारत सेवक समाज के अधिवेशन में भाग लेने भीलवाड़ा आए थे। उस समय भीलवाड़ा में भी विमान उतरने की ऐसी सुविधा नहीं थी। नेहरू ने शाहपुरा में जनता को संबोधित किया और बाद में शाहपुरा से ही विमान द्वारा दिल्ली लौटे।

आज शाहपुरा की प्रमुख मांगों में रेल लाइन से जुड़ना शामिल है। ऐसे में इतिहास का यह अध्याय अपने आप में सवाल खड़ा करता है कि जिस शहर में कभी प्रधानमंत्री का विमान उतर चुका था, वह आज रेल कनेक्टिविटी के लिए क्यों तरस रहा है? इसी वर्ष 16 फरवरी को प्रसिद्ध संत विनोबा भावे भी शाहपुरा आए। तत्कालीन राजाधिराज सुदर्शन देव द्वारा 301 बीघा भूमि ग्रामदान में दिए जाने की घटना भी शाहपुरा के इतिहास में दर्ज है।

1961 से 1973 तक रामनारायण तीन बार अध्यक्ष रहे-

1961 से 1973 तक रामनारायण तीन बार अध्यक्ष चुने गए। उनके कार्यकाल में शाहपुरा के शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम हुए। 31 मार्च 1963 को शाहपुरा महाविद्यालय का शिलान्यास तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया ने किया। 26 जनवरी 1968 को शिक्षामंत्री शिवचरण माथुर ने इसका उद्घाटन किया। 14 अक्टूबर 1971 को मुख्यमंत्री सुखाड़िया का शाहपुरा में भव्य स्वागत हुआ। इस दौर से साफ है कि नगरपालिका की राजनीति का दायरा केवल सड़क, नाली और सफाई तक सीमित नहीं था। शिक्षा और शहर के विकास की दिशा भी नगर राजनीति का हिस्सा थी।

1973 से 1982 तक रहा प्रशासकों का दौर-

1973 से 1982 के बीच नगरपालिका बोर्ड का स्थायित्व नहीं रहा। अलग-अलग समय में प्रशासकों को जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान ज्ञानचंद सिंधी, भूरे खां कायमखानी, स्वतंत्रता सेनानी लक्ष्मीदत्त काटिया और बालमुकुंद चौधरी जैसे नाम नगरपालिका की व्यवस्था से जुड़े रहे। 1982 से 1986 तक बालमुकुंद चौधरी अध्यक्ष रहे। इस समय तक शाहपुरा की नगर राजनीति में कांग्रेस समर्थित नेतृत्व का प्रभाव मजबूत था। लेकिन इसके बाद राजनीतिक तस्वीर बदलने लगी।

1990 में पहली बार भाजपा का अध्यक्ष, यहीं से बदले समीकरण-

सन् 1990 में शाहपुरा नगरपालिका की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। पहली बार भाजपा के कन्हैयालाल धाकड़ अध्यक्ष बने। वे मीसा बंदी भी रहे थे और 1995 तक अध्यक्ष पद पर रहे। इसके बाद कमला काबरा भाजपा से अध्यक्ष बनीं और वर्ष 2000 तक पद पर रहीं। यह वह दौर था जब नगरपालिका में कांग्रेस के लंबे वर्चस्व को भाजपा ने चुनौती देकर अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत की। 28 अगस्त 2000 को फिर समीकरण बदले और कांग्रेस पार्षदों के समर्थन से अनिल चौधरी अध्यक्ष बने। इसके बाद 2005 से 2010 तक कन्हैयालाल धाकड़ फिर अध्यक्ष रहे।

2010 के बाद चेहरों के साथ बदली प्राथमिकताएं-

2010 से 2015 तक रघुनंदन सोनी चेयरमैन रहे। उनके कार्यकाल में शाहपुरा में सुंदर गार्डन का निर्माण हुआ। 2015 से 2020 तक किरण तोषनीवाल अध्यक्ष रहीं। कोरोना काल में चुनाव नहीं होने के कारण कुछ समय के लिए प्रशासक नियुक्त किया गया। इसके बाद 1 फरवरी 2021 से रघुनंदन सोनी फिर अध्यक्ष बने। अब नगर पालिका का नया चुनाव सामने है और शहर की राजनीतिक तस्वीर फिर बदलने की संभावना बनी हुई है।

35 वार्ड, भाजपा-कांग्रेस के 70 प्रत्याशी और 40 निर्दलीय-

इस बार शाहपुरा नगरपालिका के 35 वार्डों में भाजपा के 35 और कांग्रेस के 35 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनके अलावा 40 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। कुल 110 प्रत्याशी मतदाताओं के बीच हैं। यही 40 निर्दलीय इस चुनाव के समीकरण को खास बना रहे हैं। कई वार्डों में मुकाबला त्रिकोणीय है। कहीं पार्टी प्रत्याशियों को बागियों की चुनौती है तो कहीं स्थानीय चेहरे मुकाबले को रोचक बना रहे हैं। इसलिए चुनाव परिणाम में सिर्फ भाजपा और कांग्रेस के आंकड़े ही महत्वपूर्ण नहीं होंगे। निर्दलीयों की जीत की संख्या भी अध्यक्ष पद के चुनाव में निर्णायक साबित हो सकती है।

पार्षद का चुनाव जनता करेगी, अध्यक्ष का फैसला पार्षद करेंगे-

शाहपुरा के नगर चुनाव की सबसे अहम बात यही है कि जनता सीधे अध्यक्ष का चुनाव नहीं कर रही। 11 सितंबर को जनता 35 वार्डों में पार्षद चुनेगी। इसके बाद निर्वाचित पार्षदों में से अध्यक्ष चुना जाएगा। यानी चुनाव के दो चरण हैं। पहला चरण-वार्ड की लड़ाई। दूसरा चरण-अध्यक्ष की कुर्सी का गणित। यदि किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिला तो तस्वीर साफ होगी। लेकिन परिणाम करीबी रहे तो निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अचानक महत्वपूर्ण हो सकती है। यहीं से चुनावी नतीजों के बाद समर्थन, संपर्क और राजनीतिक रणनीति का दौर शुरू होने की संभावना रहेगी।

इतिहास समृद्ध, लेकिन विकास के सवाल आज भी कायम-

शाहपुरा का इतिहास और विरासत इसे अलग पहचान देती है। 14 दिसंबर 1631 को महाराणा प्रताप के प्रपौत्र सुजानसिंह सिसोदिया ने शाहपुरा की स्थापना की थी। रामस्नेही संप्रदाय की परंपरा, स्वामी दयानंद सरस्वती का प्रवास, जैन समाज की धार्मिक विरासत, आर्य समाज की मजबूत उपस्थिति, विश्व प्रसिद्ध फड़ चित्रकला, राजमहल की स्थापत्य कला और बारहठ हवेली से जुड़ी स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियां शाहपुरा की पहचान हैं। क्रांतिकारी केसर सिंह बारहठ, जोरावर सिंह और प्रताप सिंह बारहठ की गौरवगाथा भी शाहपुरा की मिट्टी से जुड़ी है। लेकिन अब शहर अपने इतिहास के साथ भविष्य का हिसाब भी मांग रहा है।

रेल, जिला, उद्योग और पर्यटन... नए बोर्ड के सामने होंगे बड़े सवाल-

शाहपुरा की प्रमुख मांगों में सबसे ऊपर रेल लाइन से जोड़ने और जिला बहाली का मुद्दा है। इसके अलावा नगर पालिका को नगर परिषद का दर्जा दिलाना, शाहपुरा को पर्यटन स्थल घोषित करवाना, रीको क्षेत्र में उद्योग स्थापित करना, सब्जी मंडी व बस स्टैंड को व्यवस्थित करना, शहर को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करना तथा पिवनिया तालाब और बगरू क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना प्रमुख मांगों में शामिल हैं। यानी आने वाला नगर बोर्ड केवल शहर की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करने वाला बोर्ड नहीं होगा। उसके सामने शाहपुरा की आर्थिक, शैक्षणिक, औद्योगिक और पर्यटन पहचान को मजबूत करने की चुनौती भी होगी।

1939 में सफाई से शुरू हुआ सफर, 2026 में विकास के एजेंडे तक-

1939 में जब नगरपालिका बनी थी तो सबसे बड़ी चिंता थी, शहर की सफाई कैसे हो? तब 44 स्ट्रीट लाइट थीं और 22 सफाई कर्मचारी। आज शहर बदल चुका है। जरूरतें बदल चुकी हैं। राजनीति बदल चुकी है। पार्टियों का प्रभाव बदला है। अध्यक्षों के चेहरे बदले हैं। लेकिन एक सवाल आज भी वही है क्या नगर राजनीति शहर की जरूरतों के मुताबिक अपनी प्राथमिकताएं बदल पाई है? 11 सितंबर को जनता 35 वार्डों में अपना फैसला देगी। इसके बाद 35 पार्षद तय करेंगे कि पालिका की कमान किसके हाथ होगी। भाजपा...कांग्रेस... या फिर निर्दलीय पार्षदों के सहारे बनेगा कोई नया राजनीतिक समीकरण? यह तस्वीर चुनाव परिणाम के बाद साफ होगी।

लेकिन इस चुनाव का सबसे बड़ा सवाल अध्यक्ष की कुर्सी से भी आगे का है। शाहपुरा के पास 87 साल का नगरपालिका इतिहास है...अब सवाल है अगले पांच साल का भविष्य कौन लिखेगा?

जन जन की आस्था का केंद्र है मेहरुकलां तेजा धाम

भीलवाड़ा फोकस @ मेहरू कलां

राजस्थान की पावन धरा पर लोकदेवताओं की परंपरा सदियों से जनमानस के विश्वास और आस्था की आधारशिला रही है। इन्हीं में एक प्रमुख नाम है तेजा राजकुमार (तेजाजी) का, जिनका धाम आज भी लोगों के लिए आस्था, विश्वास और चमत्कार का प्रतीक बना हुआ है। अजमेर जिले में स्थित तेजा धाम न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जीवन में नई आशा और विश्वास का संचार करता है।

स्थानीय मान्यता के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को जहरीले सांप ने डस लिया हो और वह पीड़ित तेजा धाम स्थित बरगद की छाया में पहुंच जाए, तो उसका बाल भी बांका नहीं होता। अनेक लोग ऐसे उदाहरणों का हवाला देते हैं, जहां गंभीर स्थिति में पहुंचे पीड़ित यहां से पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने घर लौटे हैं। यही कारण है कि दूर-दूर से लोग इस धाम में आकर श्रद्धा के साथ मत्था टेकते हैं और मनोकामनाएं मांगते हैं।

तेजाजी से जुड़ी एक प्रचलित किवदंती आज भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। बताया जाता है कि करीब चार दशक पूर्व केकड़ी स्थित तेजा मेले में मेहरू कलां से बिंदौली निकाली गई थी। जब यह बिंदौली तेजा धाम पहुंची, उसी दौरान मेहरू धाम के तेजा घोड़ला को भाव आया। उस समय एक मनचले युवक ने इस भाव को झूठा बताते हुए उपहास किया। इस पर घोड़ला ने अपने पास मौजूद मोरपंखी उस युवक के पैरों की ओर फेंकी। देखते ही देखते एक दर्जन मोरपंखी खुलकर सर्प में परिवर्तित हो गईं। इस अद्भुत दृश्य को देखकर युवक घबरा गया और तुरंत तेजाजी से क्षमा याचना करते हुए अपनी गलती स्वीकार की। इसके बाद स्थिति सामान्य हो गई। इस घटना को आज भी लोग तेजाजी की दिव्य शक्ति का प्रमाण मानते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार एक अन्य प्रसंग भी तेजाजी की महिमा को दर्शाता है। बताया जाता है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने इस 'भाव' को झूठा बताते हुए राजदरबार में शिकायत कर दी। इस पर दरबार ने दोनों घोड़लों को कारावास की सजा सुनाते हुए किले की कोठरी में बंद करवा दिया। किंतु

जैसे ही तेजा धाम पर ढोल-नगाड़ों की ध्वनि गूंजी, आश्चर्यजनक रूप से दोनों घोड़ले स्वतः ही कारावास से मुक्त होकर तेजा धाम पहुंच गए। इस चमत्कारी घटना को देखकर दरबार भी स्तब्ध रह गये। इसके बाद शिकायतकर्ताओं को फटकार लगाई गई और दंडित किया गया, जबकि दोनों घोड़लों को सम्मान स्वरूप उनके पैरों में चांदी की कड़ियां पहनाकर सम्मानित किया गया। धाम की विशेषता यह भी है कि गांव में कोई भी बड़ा सार्वजनिक कार्य बिना तेजाजी की स्वीकृति के प्रारंभ नहीं किया जाता। ग्रामीण पहले धाम पर जाकर अनुमति मांगते हैं और सकारात्मक संकेत मिलने पर ही कार्य का शुभारंभ करते हैं।

यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और आज भी उसी श्रद्धा के साथ निभाई जाती है। हर वर्ष भादवा माह की अमावस्या को यहां भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। मेले के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहता है और श्रद्धालु भक्ति, सेवा और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

तेजा राजकुमार धाम आज भी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि लोक आस्था और विश्वास में कितनी शक्ति होती है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु अपने साथ एक अद्भुत अनुभव और अटूट विश्वास लेकर लौटता है, जो उसे जीवन के हर संघर्ष में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

माण्डलगढ़ नगर पालिका चुनाव में बागियों ने बिगाड़े बीजेपी प्रत्याशियों के समीकरण, किला बचाने में जुटी भाजपा; सेंध लगाने को कांग्रेस को करनी पड़ रही कड़ी मशक्कत

चेयरमैन पद की हॉट तीन सीटों पर भारी घमासान नजर आ रहा हैं, माण्डलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल और काँग्रेस नेता जितेंद्र मुंदड़ा व पूर्व पालिका अध्यक्ष विनोद ओस्तवाल की प्रतिष्ठा दाँव पर लगी

भीलवाड़ा फोकस @ माण्डलगढ़।

नगर पालिका चुनाव को लेकर माण्डलगढ़ में सियासी पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। चुनावी मैदान में भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के साथ बड़ी संख्या में निर्दलीय और बागी प्रत्याशियों की मौजूदगी ने चुनावी मुकाबले को रौचक बना दिया है। खासकर भाजपा के टिकट से वंचित दावेदारों ओर भाजपा से बागी व्यवस्था परिवर्तन मंच के चुनाव मैदान में उतरने से कई वार्डों में पार्टी प्रत्याशियों के सामने चुनौती खड़ी हो गई है। वहीं भाजपा के मजबूत माने जाने वाले राजनीतिक किले में सेंध लगाने के लिए कांग्रेस पार्टी भी पूरी ताकत झोंक रही है।

माण्डलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल और काँग्रेस नेता जितेंद्र मुंदड़ा व पूर्व पालिका अध्यक्ष विनोद ओस्तवाल की प्रतिष्ठा दाँव पर लगी हैं।

भाजपा ने माण्डलगढ़ नगर पालिका के सभी 20 वार्डों मे अपने अधिकृत प्रत्याशियों को मैदान में उतारकर जीत का दावा किया है, लेकिन टिकट वितरण के बाद सामने आए असंतोष ने पार्टी की चिंता बढ़ा दी है। कई वार्डों में भाजपा से जुड़े दावेदार अथवा उनके समर्थक निर्दलीय प्रत्याशियों के रूप में चुनाव मैदान में हैं। ऐसे में भाजपा के परंपरागत वोटों में विभाजन की संभावना जताई जा रही है।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो नगर पालिका क्षेत्र के 16 वार्डों में भाजपा के बागी व्यवस्था परिवर्तन मंच के प्रत्याशी मजबूत जनाधार के साथ चुनाव लड़ रहे हैं, वहां मुकाबला सीधे भाजपा-कांग्रेस के बीच न रहकर त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय भी हो गया है। इसका सीधा असर अधिकृत भाजपा प्रत्याशियों के जीत के समीकरण पर पड़ सकता है।

इस बार पूर्व प्रधान एवं काँग्रेस नेता

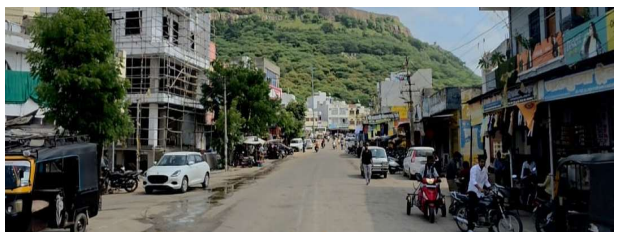

जितेन्द्र मुंदड़ा के नेतृत्व में यह चुनाव लड़ा जा रहा हैं।कांग्रेस के सामने भाजपा का किला ढहाने की चुनौती

दूसरी ओर कांग्रेस इस चुनाव को भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने के अवसर के रूप में देख रही है। काँग्रेस पार्टी के 20 वार्डों में अधिकृत प्रत्याशी घर-घर संपर्क कर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। स्थानीय मुद्दों, विकास कार्यों, सड़क, नाली, सफाई, पेयजल, बिजली और वार्ड स्तर की समस्याओं को चुनावी मुद्दा बनाया जा रहा है। वहीं भाजपा के विगत 18 साल के बोर्ड की नाकामियों के कार्यकाल को भी भुनाया जा रहा हैं।

हालांकि कांग्रेस के लिए राह आसान नजर नहीं आ रही है। भाजपा के संगठनात्मक नेटवर्क, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और कई वार्डों में मजबूत व्यक्तिगत समीकरणों के चलते कांग्रेस को भाजपा के मजबूत आधार को तोड़ने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

माण्डलगढ़ नगर पालिका वार्ड नम्बर 3, 9 व 12 को चेयरमैन की हॉट सीटों पर घमासान,,,

नगर पालिका चुनाव में सबसे ज्यादा नजर चेयरमैन पद के समीकरणों को प्रभावित करने वाली तीन हॉट सीटों पर टिकी हुई है। इन वार्डों के परिणाम नगर पालिका बोर्ड में बहुमत के साथ-साथ अध्यक्ष पद की राजनीतिक तस्वीर तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इन तीनों सीटों पर प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के अलावा निर्दलीय दावेदार भी मुकाबले को दिलचस्प बना रहे हैं। प्रत्याशी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। कहीं व्यक्तिगत जनसंपर्क तो कहीं जातीय और सामाजिक समीकरण चुनावी रणनीति का आधार बन रहे हैं।

नगर पालिका के वार्ड नम्बर 3 में भाजपा प्रत्याशी अनिता सुराणा व व्यवस्था परिवर्तन मंच की प्रत्याशी लता ओस्तवाल, वार्ड 12 से भाजपा की भारती व्यास व काँग्रेस प्रत्याशी इंद्रा झंवर तथा वार्ड नम्बर 9 से भाजपा प्रत्याशी श्वेता डांगी, काँग्रेस पार्टी से अलका लढा चेयरमैन पद के चेहरे माने जा रहे हैं।

माण्डलगढ़ के हर वार्ड में अलग गणित, प्रत्याशी की अपनी रणनीति,,,,

माण्डलगढ़ के चुनाव में इस बार सबसे खास बात यह है कि किसी भी वार्ड में मुकाबले को एकतरफा नहीं माना जा रहा। कई जगह प्रत्याशियों की व्यक्तिगत छवि पार्टी के चुनाव चिह्न से ज्यादा प्रभाव डालती नजर आ रही है। पुराने राजनीतिक समीकरण टूट रहे हैं और नए समीकरण बनते दिखाई दे रहे हैं।

भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में बागियों को कमजोर करना और पार्टी के वोट बैंक को एकजुट रखना है। वहीं कांग्रेस के सामने भाजपा के वोटों में संभावित बिखराव का फायदा उठाकर अधिक से अधिक वार्ड जीतने की चुनौती है।

व्यवस्था परिवर्तन मंच के प्रत्याशी बन सकते हैं गेम चेंजर,,,

पूर्व पालिका अध्यक्ष के व्यवस्था परिवर्तन मंच के 16 प्रत्याशियों की मजबूत मौजूदगी ने दोनों प्रमुख दलों की चिंता बढ़ा दी है। यदि प्रत्याशी अपने व्यक्तिगत जनाधार के दम पर पर्याप्त वोट हासिल करते हैं, तो कई वार्डों में जीत-हार का अंतर बेहद कम रह सकता है। ऐसे में व्यवस्था परिवर्तन मंच तथा निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव परिणाम के बाद किंगमेकर की भूमिका में भी नजर आ सकते हैं।

इस चुनाव में भाजपा के टिकट वितरण में परिवारवाद ओर कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए कार्यकर्ताओं को तवज्जो मिलने से भी कई जगह बगावत उभर कर निकली हैं, वहीं मुस्लिम बाहुल्य वार्डो में एक भी मुस्लिम कार्यकर्ता को टिकट नहीं दिया गया हैं, भाजपा ने एक माहेश्वरी को टिकट दिया हैं वहीं कांग्रेस ने 3 माहेश्वरी प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारा हैं।

माण्डलगढ़ नगर पालिका चुनाव में कुल मतदाता 11113 हैं, जिसमे पुरुष 5479 व महिला5643 शामिल है। चुनाव मैदान में 20 वार्ड में भाजपा के 20 काँग्रेस के 20 ,व्यवस्था परिवर्तन मंच के 16 ओर 23 निर्दलीय अपना भाग्य आजमा रहे है, शुक्रवार को मतदान के बाद सभी प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में पैक हो जाएगा।

अब देखना होगा कि चुनावी मैदान में भाजपा अपने किले को बचा पाती है या कांग्रेस सेंध लगाने में कामयाब होती है, और बागियों की मौजूदगी किस दल के लिए सबसे बड़ा नुकसान साबित होती है। फिलहाल माण्डलगढ़ में चुनावी मुकाबला हर दिन नया मोड़ लेता रहा है और तीन हॉट सीटों पर होने वाला घमासान पूरे चुनाव की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है।

रामनिवासधाम में 18 से 24 तक होगी श्रीमद्भागवत कथा, संत मस्तरामजी मालपुरा करेंगे कथा का वाचन

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

श्री रामनिवासधाम परिसर में 18 से 24 सितंबर तक सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। श्रीमहाराज की अनुकम्पा और वर्तमान आचार्यश्री के आदेश से होने वाले आयोजन में मालपुरा के संत श्री मस्तरामजी महाराज कथा का वाचन करेंगे। आयोजन को लेकर रामनिवासधाम परिसर में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान की भक्ति, संत परंपरा और श्रीमद्भागवत के प्रसंगों का श्रवण करने का अवसर मिलेगा। कथा का आयोजन

प्रतिदिन दो सत्रों में होगा। सुबह 9 से 11.30 बजे तक तथा दोपहर 2.30 से शाम 5 बजे तक कथा होगी। धाम प्रबंधन ने शाहपुरा सहित आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं से इष्ट-मित्रों सहित कथा में पहुंचकर धर्मलाभ लेने का आह्वान किया है। रामनिवासधाम के कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधिराम महाराज ने बताया कि सात दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा में अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

यह रहेगा कार्यक्रम

कथा अवधि- 18 से 24 सितंबर 2026
स्थान- श्री रामनिवासधाम परिसर, शाहपुरा
कथा वाचक- संत श्री मस्तरामजी महाराज, मालपुरा
समय- सुबह 9 से 11.30 बजे एवं दोपहर 2.30 से शाम 5 बजे तक
भक्ति का संदेश- आयोजन के आमंत्रण में संत परंपरा की वाणी के माध्यम से रामभक्ति का संदेश दिया गया हैकृ 'कलिकाल में राम भजन से ही कार्य सिद्ध होता है। '

QUICK BITES

दीपिका आर्ट अकादमी में तीन दिवसीय निःशुल्क कार्यशाला, बच्चों को सिखाई जाएगी पारंपरिक मृणकला; प्राकृतिक मिट्टी से बनेंगी गणेश प्रतिमाएं

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

गणेश चतुर्थी को पर्यावरण संरक्षण और भारतीय परंपरा से जोड़ने की दिशा में दीपिका आर्ट अकादमी ने अनूठी पहल की है। अकादमी की ओर से बच्चों के लिए तीन दिवसीय निःशुल्क ईको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें बच्चे अपने हाथों से प्राकृतिक मिट्टी को आकार देकर गणेश प्रतिमा तैयार करना सीखेंगे। पहल के जरिए बच्चों में रचनात्मकता के साथ पर्यावरण और पारंपरिक भारतीय कला के प्रति लगाव विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यशाला का आयोजन 11, 12 और 13 सितंबर को प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक दीपिका आर्ट अकादमी में किया जाएगा। कार्यशाला में बच्चों को पारंपरिक भारतीय मृणकला की बारीकियों से परिचित कराया जाएगा। मिट्टी को गूंथने से लेकर गणेश प्रतिमा को आकार देने और उसे आकर्षक स्वरूप देने तक की प्रक्रिया बच्चों को सिखाई जाएगी।

100 प्रतिशत प्राकृतिक मिट्टी से बनेंगी प्रतिमाएं

अकादमी की निदेशक दीपिका पाराशर ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर में प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं को प्रोत्साहित करना है। बच्चों को स्वयं प्रतिमा बनाने का अवसर देकर उन्हें प्रकृति के करीब लाने और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाएं पर्यावरण के लिए अनुकूल होती हैं और इनके विसर्जन के लिए बड़े जलस्रोतों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं होती।

घर में ही कर सकेंगे विसर्जन

ईको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं की खासियत यह है कि उनका विसर्जन घर पर ही गमले, बगीचे या मिट्टी में आसानी से किया जा सकता है। इससे नदियों, तालाबों और अन्य जलस्रोतों में होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिल सकती है। इस पहल के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों को प्लास्टर ऑफ पेरिस तथा अन्य पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली प्रतिमाओं के बजाय प्राकृतिक मिट्टी की प्रतिमाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

कला के साथ संस्कृति से जुड़ेंगे बच्चे

दीपिका पाराशर ने कहा कि गणेश प्रतिमा निर्माण केवल एक रचनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि बच्चों को भारतीय संस्कृति और पारंपरिक कला से जोड़ने का माध्यम भी है। मिट्टी से प्रतिमा तैयार करते हुए बच्चे धैर्य, कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता का अनुभव करेंगे।

उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि इस गणेश चतुर्थी पर गणपति उत्सव को हरित और पर्यावरण हितैषी पर्व के रूप में मनाएं तथा प्राकृतिक मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं को प्राथमिकता दें।

बच्चों और अभिभावकों में उत्साह

कार्यशाला को लेकर बच्चों और अभिभावकों में उत्साह है। बच्चों के लिए जहां यह अपनी कल्पना को आकार देने का अवसर होगा, वहीं अभिभावक भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी इस पहल को उपयोगी मान रहे हैं। आयोजन के जरिए एक ओर पारंपरिक मृणकला को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर नई पीढ़ी को प्रकृति संरक्षण का संदेश भी मिलेगा।

रगसपुरिया में लाखों का सामुदायिक शौचालय बना शोपीस, निर्माण के महीनों बाद भी नहीं खुला ताला

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा/गुरला।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों में सुविधाएं विकसित करने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायत गुरला के राजस्व गांव रगसपुरिया में बना सामुदायिक शौचालय ग्रामीणों के उपयोग में नहीं आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण पूरा होने के बाद से ही भवन पर ताला लगा है और करीब 10-12 महीने बीतने के बावजूद इसे शुरू नहीं किया गया। रगसपुरिया में बने सामुदायिक शौचालय की बाहरी दीवारों पर स्वच्छ भारत मिशन का लोगो और स्वच्छता संबंधी संदेश लिखे गए हैं। दीवारों पर हाथ धोने और स्वच्छता का संदेश देती चित्रकारी भी की गई है। लेकिन भवन के दोनों लोहे के गेट पर बड़े ताले लटके हुए हैं।

ग्रामीण बोले- निर्माण के बाद से नहीं खुला ताला:

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सामुदायिक शौचालय का निर्माण करीब 10-12 महीने पहले पूरा हो गया था। उन्हें उम्मीद थी कि इससे किसानों, मजदूरों, महिलाओं और राहगीरों को सुविधा मिलेगी, लेकिन निर्माण के बाद इसे बंद कर दिया गया।ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधियों से कई बार शौचालय शुरू करवाने की मांग की गई, लेकिन उन्हें हैंडओवर नहीं होने और ऊपर से आदेश नहीं आने की बात कही गई। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि भवन तैयार है तो उसे उपयोग के लिए कब खोला जाएगा।

भुगतान और निर्माण की जांच की मांग:

ग्रामीणों ने शौचालय की निर्माण लागत, भुगतान और वर्तमान स्थिति की जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि सरकारी रिकॉर्ड में काम पूरा दिखाया गया हो सकता है, जबकि मौके पर भवन उपयोग में नहीं है। हालांकि भुगतान और रिकॉर्ड संबंधी इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब बनाए गए सामुदायिक शौचालय वास्तव में लोगों के इस्तेमाल में आएं और उनमें पानी, सफाई तथा रखरखाव की नियमित व्यवस्था हो।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।